POLITICAL SCIENCE Dept.
B.A. III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College,
Tajpur, Samastipur

सत्ता का क्षेत्र (Scope of Authority)

(1) संगठन के स्तर —

प्रबन्धकीय पदसोपान में क्रमशः निम्न स्तरों की ओर बढ़ते हुए सत्ता की मात्रा कम होती जाती है। प्रबन्धक अपनी सत्ता का आंशिक प्रत्यायोजन करता है तो उसके साथ विभिन्न सीमाओं और शर्तों को जोड़ देता है।

(2) वैधानिक सीमाएँ —

प्रबन्धक की सत्ता कानून की सीमा में प्रयुक्त की जानी चाहिए। लोक प्रशासन में कानूनी सीमाएँ संविधान एवं संसद द्वारा निर्मित कानूनों द्वारा लगाई जाती हैं।

(3) अन्तर्निहित नियन्त्रण —

संगठन एक सामाजिक व्यवस्था में एक सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए बनाए जाते हैं। ऐसी स्थिति में परंपराओं और विश्वासों में रहकर कार्य करते हैं।

(4) शारीरिक सीमा —

संगठन में सत्ता पर अधिकारी की शारीरिक एवं मानसिक सीमा सत्ता के क्षेत्र को सीमित कर देती है।